आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 03.03.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर जूनागढ़ जिले के सासन गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता की।
- प्रदेश में मिलावटखोरी रोकने के लिए एसओपी जारी, दोषी पर 05 लाख जुर्माने के साथ 6 साल की सजा का प्रावधान।
- इस वर्ष पहली बार राज्य की प्रगतिशील महिला किसानों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सम्मानित करेंगे।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 06 मार्च को प्रस्तावित हर्षिल–मुखबा दौरे को लेकर उत्तरकाशी में तैयारियां हुई तेज।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर जूनागढ़ जिले के सासन गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिवों ने भाग लिया। श्री मोदी ने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र की आधारशिला भी रखी और 16वीं एशियाई शेर आबादी अनुमान 2025 और कोयम्बटूर में मानव वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन का अनावरण कियज्ञं

बैठक से पहले, प्रधानमंत्री ने गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी की और सिंह सदन परिसर में वृक्षारोपण भी किया। श्री मोदी ने वन्यजीवों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए फील्ड स्टाफ के लिए पेट्रोलिंग बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इको गाइड, ट्रैकर्स और फील्ड स्टाफ से भी बातचीत की।

मिलावट अभियान

प्रदेश में मिलावटखोरी रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने एसओपी जारी की है। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि इसमें मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ता और फुटकर विक्रेताओं के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मिलावटखोरी के मामले में पांच लाख रूपये तक जुर्माना और छह साल तक की कैद हो सकती है। वहीं, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि होली को देखते हुए मिलावटखोरों से निपटने के लिए ऊधमसिंह नगर, नैनीताल, हरिद्वार, देहरादून, टिहरी और पौड़ी जिलों को एक श्रेणी, जबकि चम्पावत, बागेश्वर और अल्मोड़ा को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इन जिलों के लिए विभाग ने सचल खाद्य लैब की व्यवस्था की है। ये टीमें त्योहारी सीजन में अचानक

कहीं भी छापेमारी कर सैंपलिंग कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि मिलावटखोरी की सबसे ज्यादा शिकायतें ऊधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों से मिलती हैं। इन जिलों में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग की जा रही है।

विशेष अभियान

केन्द्र सरकार के विशेष अभियान के तहत टिहरी जिले में स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से गैर संक्रमित रोगियों की जांच की जा रही है। ऐसे 30 साल की उम्र से ऊपर के लोगों इस जांच में शामिल किया गया है, जो विभिन्न रोगों के ग्रसित होने के साथ ही मधुमेह और हाइपरटेंशन से पीड़ित है। इस कार्यक्रम में 178 कर्मियों की तैनाती की गई है जो रोजाना 40 लोगों की जांच कर रहे हैं। इस जांच के तहत कैंसर की भी जांच की जा रही है। टिहरी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने बताया कि अभी तक जिले में लक्ष्य के सापेक्ष एक लाख 23 हजार 500 लोगों की जांच हो चुकी है।

इस कार्यक्रम में अपना सहयोग कर रही सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी दीक्षा भट्ट ने बताया कि प्रत्येक दिन घर–घर जाकर मधुमेह शुगर और बी.पी की जांच की जा रही है और इसके ग्रसित लोगों का उपचार किया जा रहा है।

महिला सम्मान

इस वर्ष पहली बार राज्य की प्रगतिशील महिला किसानों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सम्मानित करेंगे। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून में आयोजित बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों को सम्मान समारोह की तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का चयन कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। श्री जोशी ने कृषि व संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर आवश्यक पत्राचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि यह प्रदेश का पहला अवसर होगा जब कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मुखबा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 06 मार्च को प्रस्तावित हर्षिल–मुखबा दौरे को लेकर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने बर्फबारी के कारण बाधित सड़क, बिजली और संचार सेवाओं को दुरुस्त करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सभी विभाग बेहतर समन्वय बनाते हुए समय से सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गत 27 फरवरी को हर्षिल–मुखबा का कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका दौरा टल गया था।

पूर्णागिरि मेला तैयारी

चम्पावत जिले में आगामी 15 मार्च से 15 जून तक आयोजित होने वाले पूर्णागिरी मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले के दौरान पेयजल, विद्युत और पार्किंग सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। वहीं, इप्रभारी जिलाधिकारी जयवर्धन शर्मा ने पूर्णागिरी मंदिर और मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षतिग्रस्त मार्ग, रैन बसेरों, जल निकासी, सीसीटीवी आदि की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी कार्य मेला शुरू होने से पहले पूरे कर लिए जाएंगे।

संगोष्ठी टिहरी

उत्तराखंड के भविष्य के संबंध में मंथन के लिए नई टिहरी में गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें राजनीतिक, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और बुद्धिजीवी शामिल हुए। इस मौके पर मूल निवास, सख्त भू–कानून, पलायन रोकने, प्रदेश के हक–हकूकों पर मूल निवासियों के हक और उत्तराखंड को संविधान की अनुसूचि–5 में शामिल करते हुए यहां के निवासियों को वनवासी घोषित करने और जनजातीय अधिकार देने पर जोर दिया गया। सभी लोग इस बात पर एकमत थे कि उत्तराखंडियत को बचाने के लिए एकजुट होना होगा। इस अवसर पर टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय ने परिसीमन को लेकर सजग किया। वहीं, प्रतापनगर के विधायक विक्रम नेगी ने चिंता जताई कि आगामी परिसीमन में पहाड़ का प्रतिनिधित्व घट जाएगा। इसलिए, उत्तराखंड को संविधान की अनुसूचि–5 में शामिल किया जाना चाहिए।

आटे की होली

उत्तरकाशी जिले के डुंडा विकासखंड में जाड व किन्नौरी समुदाय का लोसर पर्व आटे की होली खेलने के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर लोगों ने एक–दूसरे के साथ आटे की होली खेली। वहीं, घरों और मोहल्लों में पुराने मंत्र लिखित झंडे बदलकर नए झंडे फहराए गए। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने भी डुंडा पहुंचकर लोगों को लोसर पर्व की शुभकामनाएं दी। जाड़ व किन्नौरी समुदाय बाहुल्य डुंडा गांव में बौद्ध पंचांग के अनुसार नए साल पर लोसर पर्व मनाया जाता है, जिसमें समुदाय के लोग दीपावली, होली और दशहरा एक साथ मनाते हैं। गत 28 फरवरी से चीड़ के छिलकों से बनी मशाल जलाकर जहां दीपावली मनाई गई थी। वहीं, इसके बाद घर–घर जाकर नए साल की बधाई व पकवान खिलाए गए।